

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग  
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र  
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय  
पूसा, समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या-४३

दिनांक- मंगलवार, १४ जून, २०२२



**विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन**

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 36.3 एवं 25.4 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 81 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 59 प्रतिशत, हवा की औसत गति 7.2 कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण 4.2 मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 6.8 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 30.8 एवं दोपहर में 41.9 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

**मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान**

(15-19 जून, 2022)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 15-19 जून, 2022 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसार:-

- १३ जून को बिहार में मानसून का आगमन हो गया है। हालांकि शुरुआती दौर में यानी १-२ दिनों तक हल्का कमजोर रह सकता है। उसके बाद इसके सक्रियता में वृद्धि हो सकती है जिसके कारण अधिकतर स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा हो सकती है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 36-38 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। जबकि न्यूनतम तापमान 25-27 डिग्री सेल्सियस के आस-पास रह सकता है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 80 से 85 प्रतिशत तथा दोपहर में 30 से 45 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 15 से 20 कि०मी० प्रति घंटा की रफतार से पुरवा हवा चलने का अनुमान है। सारण, सिवान तथा गोपालगंज में १६-१७ जून के आसपास पछिया हवा भी चल सकती है।
- **समसामयिक सुझाव**
- बिहार में मानसून का प्रवेश हो चुका है जिसके कारण अगले २-३ दिनों में वर्षा की सम्भावना बन रही है। अतः किसान भाई कृषि कार्यों को करने में सतर्कता बरते।
- मानसून के आगमन को देखते हुए किसान भाई धान का बीज नर्सरी में प्राथमिकता से गिरावें। मध्यम अवधि के लिए संतोष, सीता, सरोज, राजश्री, प्रभात, राजेन्द्र सुवासनी, राजेन्द्र कस्तुरी, राजेन्द्र भगवती, कामिनी, सुगंधा किस्में अनुशंसित है। एक हेक्टेयर क्षेत्रफल में रोपाई हेतु 800-1000 बर्ग मीटर क्षेत्रफल में बीज गिरावें। नर्सरी में क्यारी की चौड़ाई 1.25-1.5 मीटर तथा लम्बाई सुविधानुसार रखें। बीज को बविस्टिन 2 ग्राम प्रति किलोग्राम की दर से मिलाकर बीजोपचार करें। 10 से 12 दिनों के बीचड़े वाली नर्सरी से खर-पतवार निकालें।
- उचान्स जमीन में धान की सीधी बुवाई के लिए राजेंद्र नीलम, वंदना, राजेंद्र भगवती किस्म अनुशंसित है। किसान भाई इस धान की किस्म चयन कर बीज स्थली में बुवाई करें।
- गन्ना फसल में अभी गलित पिखा रोग के प्रकोप की संभावना है। इस रोग से लगभग 2.0 से 22.5 प्रतिशत तक एवं उग्र अवस्था में 80 प्रतिशत तक उपज एवं 11.80 से 65.0 प्रतिशत तक की चीनी की मात्रा में कमी हो जाती है, जिससे किसान एवं चीनी मिलों को काफी हद तक नुकसान सहना पड़ता है। बिहार के वातावरण में इस रोग को वृद्धि हेतु तापक्रम 24-28 डिग्री सेल्सियस, नमी 75-85 प्रतिशत एवं 700-1000 मि०मी० वर्षा उपयुक्त पाया गया इस रोग से अक्रांत पौधे के शीर्ष भाग की पत्तिया घुमावदार हो जाती है तथा अक्रांत बिन्दु से पत्तिया टूटकर नीचे झुक जाती है एवं पौधों की वृद्धि विन्दु सड़ जाती है एवं पौधे की बढ़वार रुक जाती है। गन्ना फसल पर इस रोग का लक्षण दिखाई देने पर कार्बन्डाजीन (फफूँदनाषी) का 0.1 प्रतिशत दवा को 1 लीटर पानी में घोलकर 15 दिनों के अन्तराल पर तीन बार छिड़काव करने से रोग वृद्धि में कमी होती है।
- खरीफ प्याज की नर्सरी (बीजस्थली) गिरावें। एन०-53, एग्रीफाउण्ड डॉक रेड, अर्का कल्याण, भीमा सुपर खरीफ प्याज के लिए अनुशंसित किस्में हैं। बीज गिराने के पूर्व बीज को केप्टन या थीरम/2 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से मिलाकर बीजोपचार कर लें। बीज की दर 8-10 कि०ग्रा० प्रति हेक्टेयर रखें। पौधशाला को तेज धूप से बचाने के लिए 40: छायादार नेट से 6-7 फीट की ऊंचाई पर ढक सकते हैं। प्याज के स्वस्थ पौध के लिए पौधशाला से नियमित रूप से खरपतवार को निकालते रहें।
- गरमा सब्जियों की फसल में आवश्यकतानुसार निकाई-गुड़ाई करें। कीट-व्याधियों से फसल की बराबर निगरानी करते रहें। प्रकोप दिखने पर अनुशंसित दवा का छिड़काव करें।
- बरसाती सब्जियाँ जैसे- भिंडी, लोकी, नेनुआ, करैला, खीरा की बुआई के लिए खेत की तैयारी करें। खेत की जुताई में गोबर की खाद/कम्पोस्ट का अधिक से अधिक प्रयोग करें।
- खरीफ चारा फसलें मल्टीकट मीठा ज्वार, एम० पी० चरी, कोहवा एवं मक्का (अफ्रीकन टौल) लगाने का सही समय है। इन चारा फसलों के साथ दलहनी चारा जैसे मेथ, लोबिया या हाईब्रीड मेथ भी लगायें। बहुवर्षीय चारा फसलें हाईब्रीड नेपियर, गिनिया घास, अंजन घास लगावें।

आज का अधिकतम तापमान: 36.7 डिग्री सेल्सियस,  
सामान्य से 1.3 डिग्री सेल्सियस अधिक

(डॉ० गुलाब सिंह)  
तकनीकी पदाधिकारी

आज का न्यूनतम तापमान: 25.5 डिग्री सेल्सियस,  
सामान्य से 0.2 डिग्री सेल्सियस अधिक

(डॉ० ए. सत्तार)  
वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी